गीता धर्मराजन
चित्राँकनः शुद्धसत्त्व बसु
और चार्वाक दिप्ता

लापता साबुन का रहस्य

जयन्त दक्षिणपुर का एक दयालु सरपंच था।

बच्चों को बहुत प्रिय। और बड़ों को भी।

दक्षिणपुर का गाँव खुशहाल चेहरों से भरा था। सभी लोग सुखी और स्वस्थ थे।

वे मन लगाकर काम करते और खाली समय में दोस्तों के साथ मज़े करते।

पर सब बदलने वाला था।

सबकुछ।

बहुत बहुत दूर, जर्मग्राम की सुनसान पहाड़ियों के पीछे ... पतले, कूबड़े चांद के नीचे ... दुष्ट असुर तोबाकाची चक्कर काट रहा था।

आगे–पीछे। पीछे–आगे। उसकी थुलथुली बांहें उसकी पीठ के पीछे बंधी थीं। और उसके माथे पर गुस्से की लकीरें कड़क रही थीं।

तोबाकाची शैतानी षड्यंत्र रचने में वयस्त था।

"मैं भारत का राजा बनना चाहता हूँ," वह गुर्राया। "मुझे फौरन कोई सुझाव दो, वरना मैं तुम्हारी हड्डियों की चटनी बना दूँगा।"

जर्मासुर थरथराने लगा।

कुछ समय सोचने के बाद जर्मासुर को एक तरकीब सूझी।

"महाराज!" वह कपकपाती आवाज़ में बोला, "मेरे पास एक योजना है।"

"जल्दी बताओ!" तोबाकाची उतावला था।

कोरोना किटाणुओं की सेना घबरा रही थी। आखिरकार जर्मासुर सहमते हुए बोला।

"महाराज, आप जानते हैं कि हम किटाणु कितने दुष्ट होते हैं। इतने छोटे कि हमें कोई देख नहीं सकता। और इतने शांत कि हम बहुत आसानी से मानव शरीर में घुस सकते हैं।"

"तो?" तोबाकाची अपनी डरावनी आवाज़ में गर्जा।

"जैसा कि आप जानते हैं, महाराज, कि हमारे यह नन्हे दोस्त, कोरोना वाइरस, भारत में बीमारी फैलाने का काम ज़ोर–शोर से कर रहे हैं।"

"तो?" तोबाकाची चिल्लाया। "जल्दी बताओ वरना ..."

"महाराज," जर्मासुर बुदबुदाया, "हमारे दोस्त उन लोगों पर हमला करते हैं जो लोग अपने हाथ साबुन से नहीं धोते। अगर लोग अपने हाथ साबुन से न धोएं, अपने चेहरों को अपने गंदे हाथों से छुएं, और फिर और लोगों के बीच जाकर छींकें या खाँसें तो सोचिए क्या हो सकता है ..."

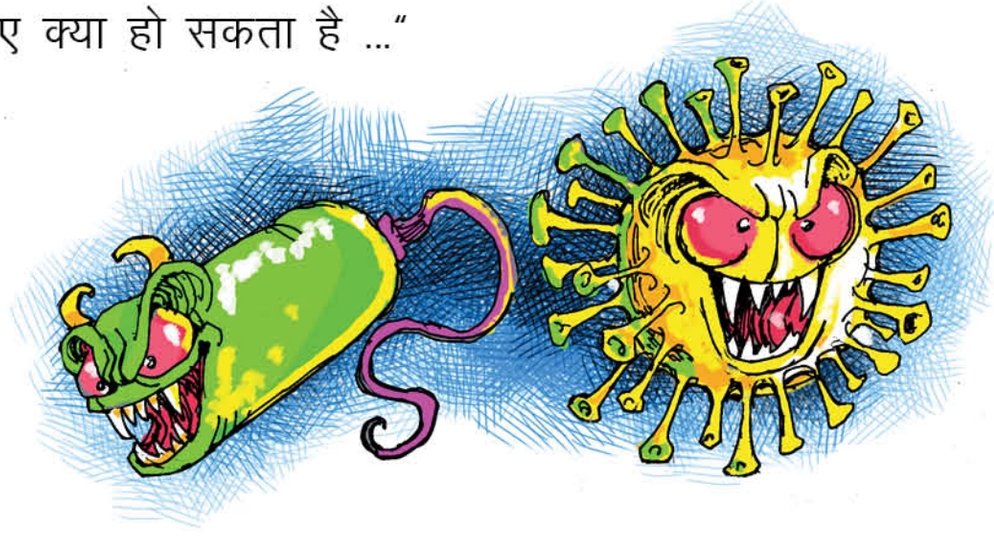

"तबाही!!! महामारी!!!" तोबाकाची की आंखें खुशी से चमक उठीं।

"और अगर हम साबुन ही गायब कर दें तो हमारी कोरोना किटाणु सेना सभी लोगों को बन्दी बना लेगी और आप बन जाएंगे भारत के राजा!" जर्मासुर चहका।

"**हा। हा। हा।**" तोबाकाची की हंसी जर्मग्राम की पहाड़ियों के बीच गर्जने लगी।

और फिर वैसा ही हुआ जैसा कि जर्मासुर ने सोचा था। कोरोना किटाणुओं की सेना ने भारत के सबसे खुशहाल गाँव, दक्षिणपुर, पर हमला बोला। जयन्त और गाँव के सभी बच्चे खेल खत्म करने के बाद हाथ धोने गये, पर यह क्या?

साबुन गायब था!

गांव के सभी लोगों ने खोज शुरू की। यहां देखा ... वहां देखा ... सब जगह देखा। खांसते ... छींकते ...।

साबुन खोजते–खोजते वे सब लोग अपना बुखार, खांसी, बहती नाक भूल गए।

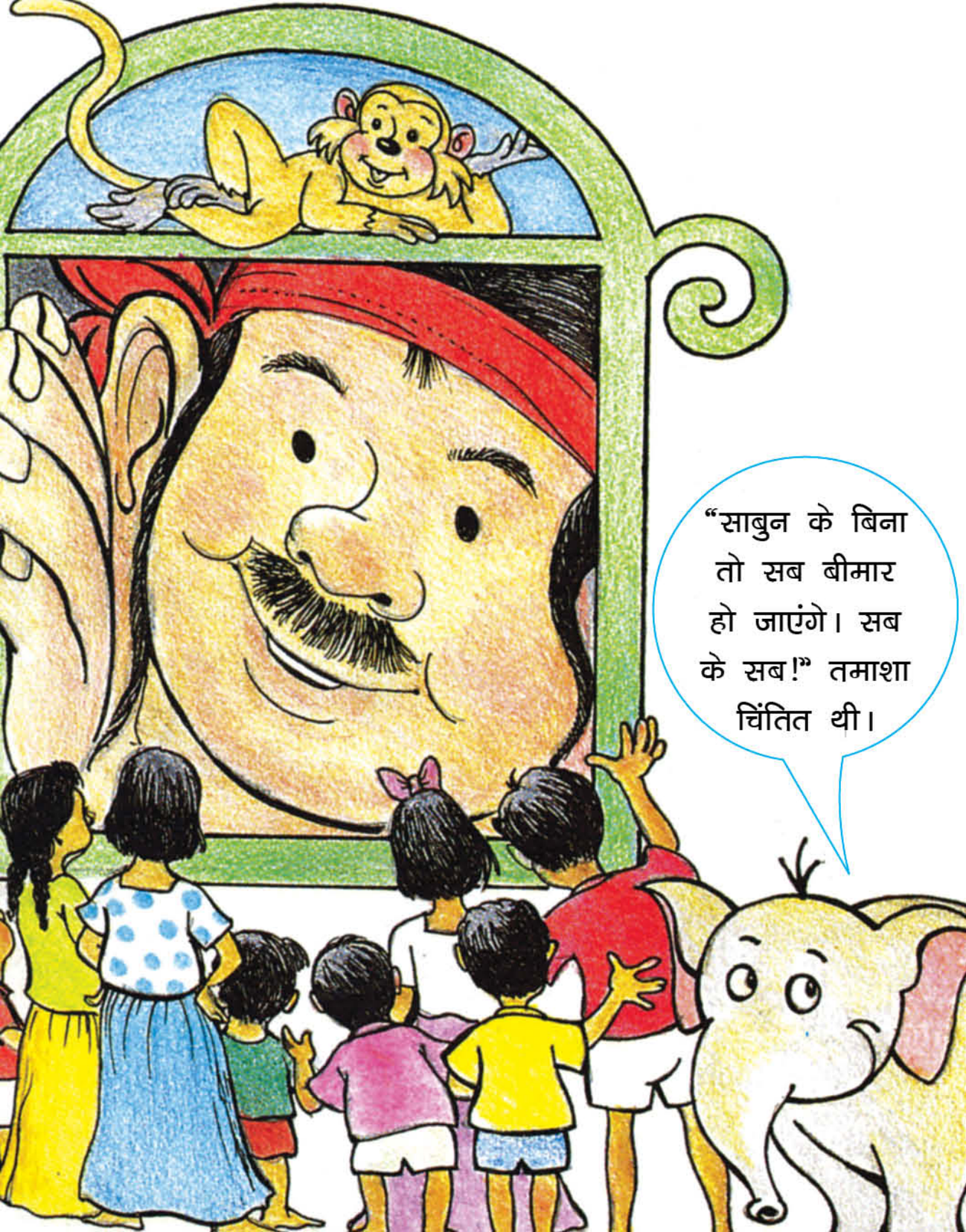

गाँव से सभी साबुन **गायब** थे।

“आहा!” तोबाकाची बोला, अपने हाथ रगड़ते हुए। “देखो यह लोग कितने मूर्ख हैं! खुद ही बीमारी फैला रहे हैं। एक दूसरे के चेहरों पर खांसकर और छींककर।”

जल्द ही, गाँव के सभी बच्चे जयन्त के घर पहुंचे। ”हमारे माता–पिता बीमार हैं। हर कोई बीमार है!” उन्होंने कहा। “कृपया हमारी मदद करें!”

दक्षिणपुर की दोस्त थी तमाशा। उसने तोबाकाची और उसकी वायरस सेना को अपना काम करते देखा था। उसे जल्द ही कुछ सोचना होगा!

तमाशा ने लछमी और दूसरे बच्चों से कहा, "जयन्त को एक बड़ा सुझाव दो! हम क्या कर सकते हैं?"

लछमी एक निडर लड़की थी। वह दयालु थी। उसने कड़ी मेहनत से पढ़ाई की थी। दक्षिणपुर में सभी उसे प्यार करते थे।

"हम साबुन बना सकते हैं!" लछमी ने सुझाया।

"साबुन बनाना आसान है!" लछमी की एक दोस्त ने कहा। "याद है हमने इसके बारे में अपनी किताब में पढ़ा था?"

तमाशा मुस्कुराई। "इसी कारण से तुम बच्चे रीडर–लीडर हो!" वह बोली।

जल्द ही, लछमी और उसके दोस्तों ने सभी लोगों को साबुन बनाना सिखाया और यह भी कि वायरस सेना के खिलाफ लड़ाई कैसे जीती जा सकती है।

गाँव के लोग उत्साह से मुस्कुरा उठे।

और पूरे गाँव ने थैले भर–भर कर साबुन बनाए ... और हाथ धोए!!!

और फिर जब कोरोना किटाणु सेना हमला करने आई, तो वह दंग रह गई।

गांव में उन्हें एक भी गंदा, मैला हाथ नहीं मिला!

तोबाकाची और उसके दुष्ट किटाणु वहां से भाग खड़े हुए ... दूर, बहुत दूर!

"शाबाश लछमी! शाबाश दक्षिणपुर!" जयन्त ने कहा, अपनी खुशी से खनखनाती आवाज़ में।

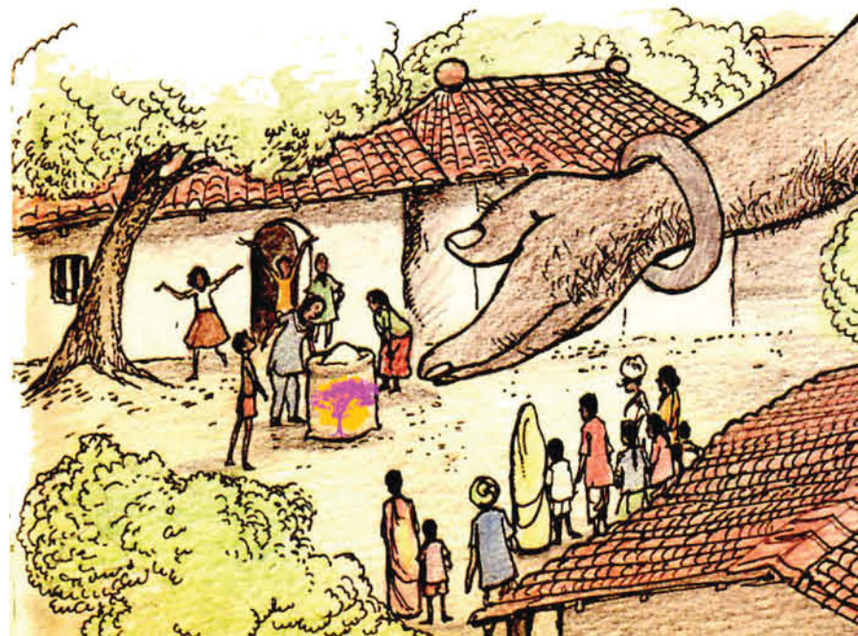

अपना खुद का साबुन बनाएँ!

टी. आर. विवेक द्वारा

1. 20 रीठा लें और कुछ घंटों तक उन्हें पानी में भिगोएँ। फिर गुठली निकालकर अलग कर दें।

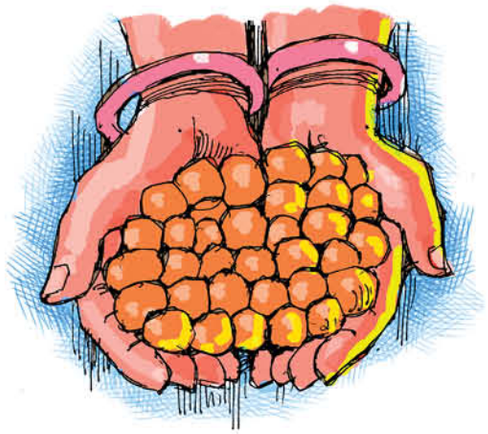

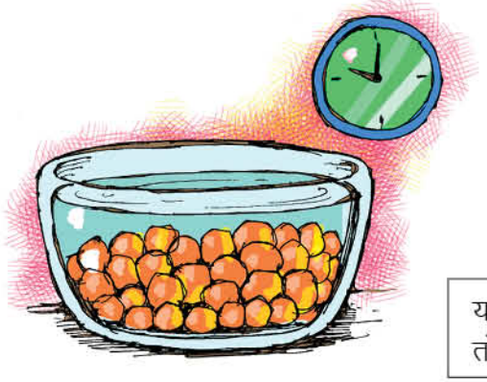

2. नरम होने पर उसे उसी पानी में 30 मिनट उबाल लें।

यदि आपके पास प्रेशर कुकर है, तो इसे तीन सीटी तक पकाएं।

3. आप इसमें कुछ नींबू या संतरे के छिलके भी मिला सकते हैं।

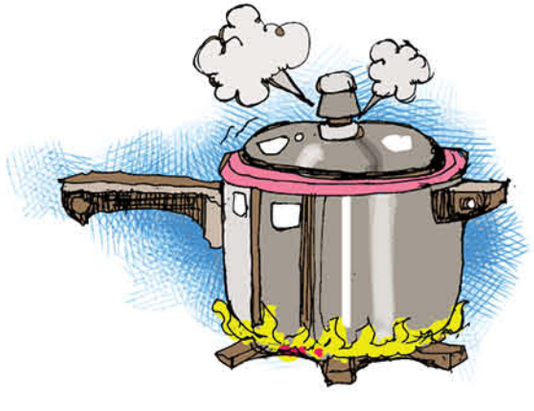

4. ठंडा होने पर इस मिश्रण को मिक्सी में पीस लें। अगर मिक्सी नहीं है तो मिश्रण अधिक समय तक उबालें। इसे ठंडा करें। उबले हुए मिश्रण को हाथ से मसल लें।

5. छलनी और थोड़े से पानी का उपयोग करके गूदे को छान लें। तब तक निचोड़ें जब तक कि उसका सारा गूदा न निकल जाए। (ठीक वैसे ही जैसे हम भोजन पकाते समय इमली का गूदा निकालते हैं।)

6. इस भूरे रंग के तरल साबुन को बोतल में भर लें।

यह तरल साबुन एक सप्ताह तक चलेगा। इसके बाद इसमें से दुर्गन्ध आए, तो फिर भी आप इसे कपड़े और बर्तन धोने के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं। अगर आप इसे लम्बे समय तक इस्तेमाल करना चाहते हैं तो इस तरल साबुन में एक ढक्कन सिरका डाल दें।

आप एक बालटी कपड़े धोने के लिए, इस तरल साबुन के 5–6 चम्मच डाल सकते हैं।

इस साबुन को पानी से पतला करके हाथ धोने वाले डिस्पेंसर में भर कर हाथ और मुहँ धोने के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं।

Source: https://www.easyayurveda.com/2015/08/07/reetha-soapnut-uses-research-side-effects/

रीठा के नाम अन्य भाषाओं में

English name- soap nut, Soapnut, Soap Nut, Soapberry, Soap Berry, Washnut, and Wash Nut, South Indian Soapnut, three-leaf soapberry
Hindi name- Ritha, Reetha, Aritha, फेनिल phenil (as it produces froth), रिष्ट risht, रिष्टक rishtak
Kannada name – Antuvala kayi ಅಂಟುವಾಳ ಕಾಯಿ, ನೊರೆಕಾಯಿ norekaayi, ತೊಗಟೆ ಮರ togate mara
Telugu name- Kunkum Chettu, కుంకుడుచెట్టు kunkuduchettu, ఫేనిలము phenilamu
Tamil name- Pannankottai, புனலை punalai, பூந்தி punthi, பூவந்தி puvanti
Manipuri name – কেক্রু Kekru
Malayalam name – ചവക്കായ് cavakkaay, പശക്കൊട്ടമരം pasakkottamaram, ഉറുവഞ്ചി uruvanchi
Bengali name – রীঠা Ritha
Oriya, Konkani name – ରୀଠା Ritha
Urdu name – Phenil, ریٹھا Reetha
Gujarati name – અરીઠી arithi, અરીઠો aritho, અરીઠું arithu

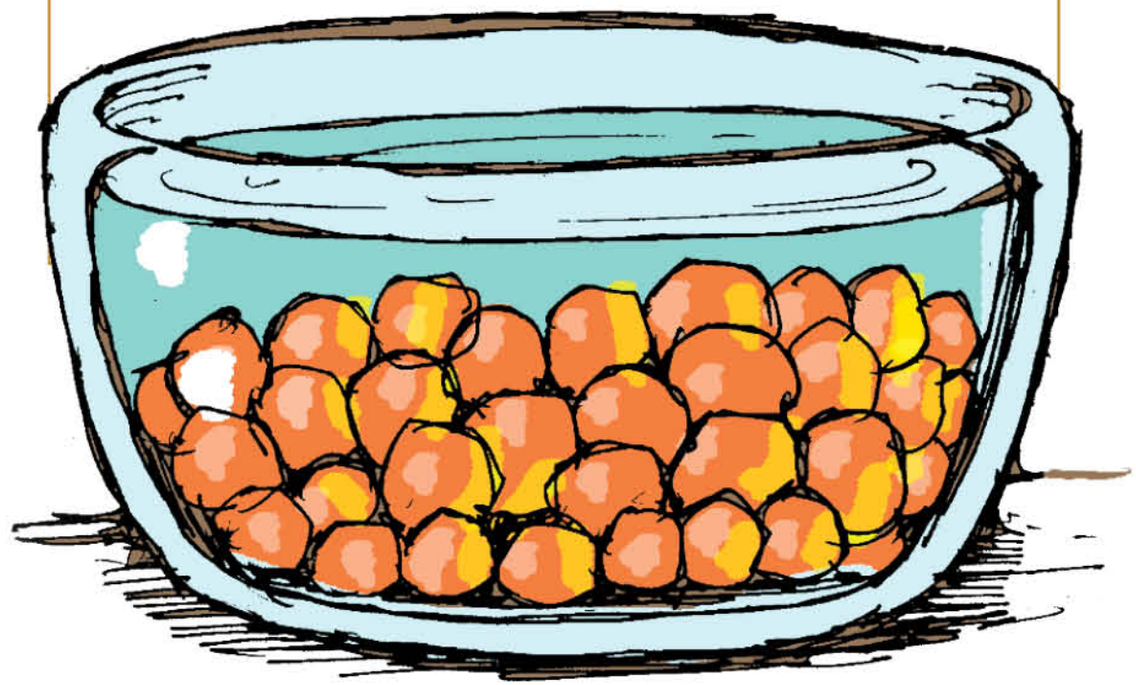

टा-डा!

कोरोनो वायरस के बारे में।

सभी वायरस एक प्रकार के रोगाणु हैं। कोरोनो वायरस भी एक प्रकार के रोगाणु हैं। यह वायरस इतने छोटे होते हैं कि आप इन्हें अपनी आंखों से देख नहीं सकते।

इन्हें देखने के लिए आपको एक शक्तिशाली इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप की आवश्यकता है।

जब कोरोना वायरस आपके शरीर के दाखिल हो जाते हैं, तो वे आपको बीमार कर सकते हैं।

यह वायरस लोगों को सर्दी, चिकन पॉक्स, खसरा, फ्लू, इत्यादि दे सकते हैं।

कोरोनो वायरस मेरे शरीर में प्रवेश कैसे करते हैं?

- एक वायरस अपने आप फैल नहीं सकता है।
- वायरस मुख्य रूप से तब फैलता है जब कोई व्यक्ति खांसता या छींकता है, और उनकी थूक का छींटा आप पर गिरता है।
- क्या आप जानते हैं कि खांसी की बूंदें 20–25 फीट तक की दूरी तय कर सकती हैं? तथा छींक की बूंदें 30–35 फीट?
- ये बूंदे हवा में 10 मिनट तक रहती हैं।
- ये बूंदें कुर्सियों, मेज़ और दरवाज़ों के हैंडल जैसी सतहों पर एक दिन से अधिक समय तक सक्रिय रह सकती हैं।
- और यदि आप उन सतहो को छूते हैं जिसमें वायरस है और अपनी नाक, चेहरे या आंखों को हाथ लगाते हैं, तो यह वाइरस आपके अंदर पहुंच सकते हैं और आपको बहुत बीमार कर सकते हैं।

वायरस को कैसे रोकें

वायरस संरक्षण . स्वयं संरक्षण

- भीड़–भाड़ वाली जगहों से बचें।
- अपने हाथों को बार–बार साबुन और पानी से धोएं (हो सके तो गरम पानी से)।
- अपनी आंखों, मुंह और नाक को न छुएं।
- जब आप खांसें या छींकें, तो अपने मुंह को रूमाल से ढक लें। या आपकी मुड़ी हुई कोहनी में खांसें या छींकें।
- अस्वस्थ महसूस करने पर घर पर रहें – चाहे वह मामूली सर्दी, खांसी या बुखार ही क्यों न हो।
- अगर आपको बुखार हो, खांसी हो रही हो, या आप साँस लेने में कठिनाई महसूस कर रहे हों तो तुरंत डॉक्टर को दिखाएं।
- यदि किसी को खांसी, जुकाम या बुखार हो तो उनसे दूर रहें। अपना ख्याल रखें।

photo permissions awaited

हाथ धोना है मज़ेदार और बहुत आसान!

अपने हाथों को गीला करें – अगर
हो सके तो गर्म पानी के साथ।

साबुन से झाग बनाएं।

अपने हाथों को 20 सेकेंड के लिए
रगड़ें – जितना समय आपको
वर्णमाला कहने में लगता हैं।

या फिर "हैपी बर्थडे" गाना
गाने में।

बहते पानी में अपने हाथों को
अच्छे से धो लें।

अब हाथों को साफ तौलिये से
पोंछ लें।

चित्राँकनः सोनल गुप्ता वासवानी

गीता धर्मराजन को बच्चों के लिए किताबें लिखना बहुत पसंद है। इन्हें 2012 में साहित्य और शिक्षा के क्षेत्र में अपने योगदान के लिए पद्म श्री से सम्मानित किया गया। अपने सामाजिक उद्यमिता कार्यों के लिए इन्हें 2018 में बिज़नेस स्टैंडर्ड अवार्ड से भी सम्मानित किया गया।

टी. आर. विवेक बेंगलुरु में रहने वाले एक पत्रकार हैं। वे वर्तमान में कावेरी नदी की समकालीन जीवनी लिख रहे हैं, जो कि वेस्टलैंड प्रकाशन द्वारा प्रकाशित की जाएगी।

शुद्धसत्त्व बसु एक प्रसिद्ध चित्रकार और एनिमेशन फिल्म निर्माता हैं।

चार्वाक दिप्ता ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र हैं और एक पुरस्करित इलस्ट्रेटर भी। इन्हें देश–विदेश की यात्रा करना और विभिन्न प्रकार का खाना खाना बेहद पसंद है।

यह किताब सारदा लेडीज़ यूनियन, चेन्नई, की सिस्टर सुब्बुलक्ष्मी और गौरी चिन्नास्वामी को सप्रेम समर्पित है।

एक अथक कार्यकर्ता और शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी, सिस्टर सुब्बुलक्ष्मी ने 1900 के दशक में महिला सशक्तिकरण और नारी समाज के उद्धार के लिए अनेक प्रयास किए। इन्होंने 1912 में सारदा लेडीज़ यूनियन की स्थापना की ताकि वे साधारण गृहिणियों के बीच महिलाओं के अधिकारों के बारे में महत्वपूर्ण सोच उजागर कर सकें। गौरी चिन्नास्वामी इन्हीं महिलाओं में से एक थीं।

कथा

पहला हिन्दी संस्करण 2020

कृति स्वामित्व © कथा, 2020

स्वत्वाधिकार सुरक्षित। प्रकाशक की आज्ञा के बिना इस किताब के किसी भी भाग को छापना अथवा अन्य किसी पुनः प्रयोग विधि के रूप में प्रतिकृति या इस्तेमाल वर्जित है।

नई दिल्ली द्वारा मुद्रित

ISBN 978-93-82454-47-2

कथा एक पंजीकृत अलाभकारी संस्था है जिसका स्थापन 1988 में किया गया था। कथा शिक्षा और साहित्य के क्षेत्र में काम करती है। कथा का मुख्य उद्देश्य है बच्चों और बड़ों में पढ़ने में रुचि एवं इससे मिलती ख़ुशी को बढ़ावा देना। कथा 1,00,000 से भी अधिक बच्चों के साथ काम करती है ताकि वे मज़े के लिए और कक्षा स्तर पर पढ़ सकें।

ए–3 सर्वोदय एनक्लेव, श्री औरोबिन्दो मार्ग, नई दिल्ली–110017

दूरभाषः 4141 6600 . 4141 6624 . 4182 9998

ई–मेलः marketing@katha.org . वेबसाइटः www.books.katha.org

हिन्दी अनुवादः ममता नैनी

इस किताब की सब कहानियाँ, सिवाय जहाँ अन्यथा उल्लेखित हो © गीता धर्मराजन 2020

कथा नियमित रूप से पेड़ लगाती है उस लकड़ी के बदले, जिससे हमारी किताबों को छापने का कागज़ बनता है।

इस किताब की बिक्री से मिली राशि का 10% बच्चों की शिक्षा के लिए कथा स्कूल को दिया जाएगा।

लापता साबुन का रहस्य

read other katha books.

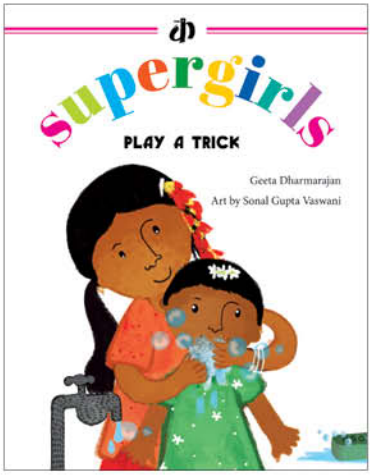

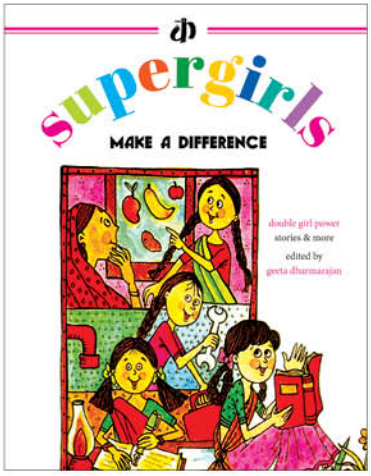

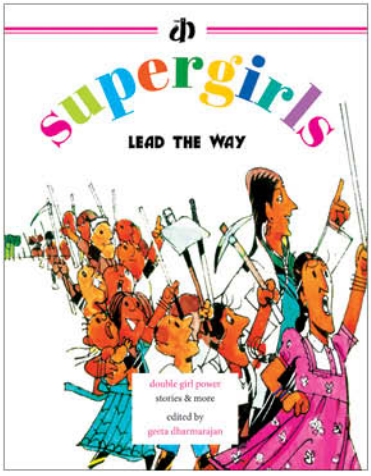

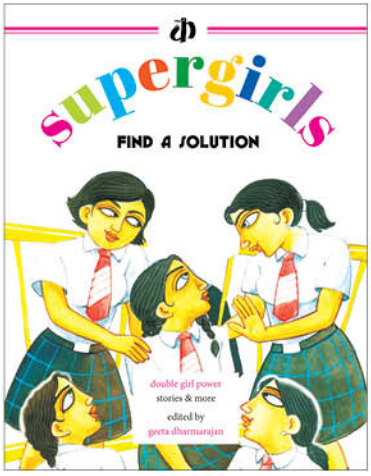

SUPERGIRLS SERIES:
STORIES & POEMS
Edited By
GEETA DHARMARAJAN

The Supergirls Play a Trick
Ready, set, grow... with this amazing book that introduces young readers to the whys and the hows of taking care of their bodies.

The Supergirls Make a Difference
Dive right into this book of playful stories and poems to learn the basics of personal hygiene, ways to stay healthy, and much much more!

The Supergirls Lead the Way
Is the water you drink clean? How do you find out if it is? What do you do to make water fit for drinking? Read about all the ways that Supergirls ensure their water is safe, and how you can too!

The Supergirls Find a Solution
Say YES to good health and NO to Germasura, the deadliest monster of them all, with this simple book that encourages you to think about hygiene.